WELCOME TO THE PRESIDENT OF INTER-PARLIAMENTARY UNION

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, we have with us seated in the Special Box His Excellency, Mr. Duarte Pacheco, President of the Inter-Parliamentary Union. On behalf of the Members of the House and on my own behalf, I take pleasure in extending a hearty welcome to him and wish our distinguished guest an enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that during his stay here, he would be happy to witness our parliamentary system and know more about our own country and our people. Through him, we convey our greetings and best wishes to the IPU Secretariat and its Member countries. Thank you.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION - *Contd.*

Epidemic proportion of cancer in the country

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, मैं कैंसर रोग के तेज़ी से बढ़ते हुए फैलाव की ओर सदन एवं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017 से 2019 तक, तीन वर्षों में 39,76,181 कैंसर के रोगी हुए हैं। इनमें से 23 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई है। दिन-ब-दिन कैंसर की दृष्टि से बड़ी भयावह स्थिति बनती चली जा रही है। सबसे बड़ी चिन्ता का विषय यह है कि अब इस रोग का फैलाव 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों में भी बढ़ने लगा है और देश भर में प्रति वर्ष बाल कैंसर रोगियों की अनुमानित संख्या 70 हजार से एक लाख के करीब है।

मान्यवर, यह एक बहुत ही डरावनी स्थिति बनती चली जा रही है। शोधकर्ताओं के अनुसार कैंसर रोग के तेज़ी से फैलाव के लिए रसायनयुक्त तथा नशीले पदार्थों का सेवन, हमारी अनियमित जीवन-शैली और भूमि, जल व वायु का अशुद्ध होना विशेष कारण हैं। इसके लिए रासायनिक खादों, कीटनाशकों तथा डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर बंदिश लगाना आवश्यक है। देश में कैंसर से सर्वाधिक मौतें नशीले पदार्थों के कारण होती हैं, लेकिन हमारे देश में आज़ादी से लेकर आज तक एक विचित्र खेल चल रहा है और इस खेल में चाहे पक्ष हो या विपक्ष हो, सभी एकमत हैं। सरकारें शराब के लाइसेंस देकर देशवासियों को शराब पिलाती हैं और दूसरी ओर नशामुक्ति अभियान पर हज़ारों करोड़ रुपये भी खर्च करती हैं। सरकारों द्वारा शराब से राजस्व प्राप्त करने के लिए देश के नागरिकों को मौत के मुंह में ढकेलना मेरी दृष्टि में एक जघन्य अपराध है और यह खेल बंद होना चाहिए।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रबल शब्दों में, आग्रह के साथ मांग करता हूं कि सरकार कैंसर के फैलाव को रोकने के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति तैयार करे और देश भर में शराब और नशीले पदार्थों का सरकार जो व्यापार करती है, वह बंद होना चाहिए, धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: It is a larger issue. Whoever wants to associate, please send the slip.

DR. AMEE YAJNIK (Gujarat): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

DR. VIKAS MAHATME (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

SHRI VIJAY PAL SINGH TOMAR (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

SHRIMATI PRIYANKA CHATURVEDI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Harnath Singh Yadav.

श्री सुभाष चंद्र सिंह (ओडिशा)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती फूलो देवी नेतम (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश)**:** महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

Need for concrete steps for conservation of Taj Mahal

श्री हरद्वार दुबे (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, विश्व विरासत में शामिल भारत का ताजमहल देशी-विदेशी पर्यटकों के घूमने का सबसे बड़ा पसंदीदा स्थल है, जहां प्रत्येक वर्ष लगभग 8 मिलियन पर्यटक ताजमहल की सुन्दरता देखने के लिए आते हैं, लेकिन बढ़ता वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण पर्यटन की सेहत को खराब कर रहा है और अपनी सुन्दरता खो रहा है। विदेशी और देशी पर्यटक प्रदूषण के कारण ताजमहल से दूर हो रहे हैं।

महोदय, ताजमहल की सुन्दरता खराब होने के कई कारण हैं। ताजमहल टूरिज़्म ज़ोन के चारों तरफ कचरा इकट्ठा होना, पेट्रोल, डीज़ल के वाहनों की आवाजाही, औद्योगिक चिमनियों से उठने वाला धुंआ अम्लीय वर्षा करता है। कभी ताज की सुन्दरता में चार चांद लगाने वाली यमुना नदी भी अब उसके लिए मुसीबत बन गई है। नाले में तब्दील हो चुकी यमुना की गंदगी में पनपे कीड़ों ने समय-समय पर ताज की सतह पर..

श्री सभापति: दुबे जी, आपने पढ़ना नहीं है, केवल बोलना है। आप इतने अनुभवी सदस्य हैं, आगरा के ताजमहल के बारे में बोलने में क्या कठिनाई है? आप बोलिये, लेकिन पढ़िये मत।

श्री हरद्वार दुबे: ताज की सतह पर भूरे और गहरे रंग के दाग छोड़ देते हैं। ताज पर लगे ये दाग आज भी अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में बने हुए हैं। यमुना से उठने वाली दुर्गन्ध भी पर्यटकों को परेशान